Thirteenth Loksabha

Session : 11
Date : 29-11-2002
Participants : Patil Shri Shivraj V. ,Speaker, Shri Manohar Joshi Mr. ,Jadhav (Patil) Shri Suresh Ramrao ,Puglia Shri Naresh Kumar ,Rawale Shri Mohan ,Khaire Shri Chandrakant Bhaurao ,Speaker, Shri Manohar Joshi Mr. ,Pramod Mahajan Shri

>Title: Regarding law and order situation in the state of Maharashtra.

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण मध्य) : अध्यक्ष महोदय, महाराट्र में बहुत बड़ी समस्या है। ...(व्यवधान)

वहां लॉ एंड आर्डर की हालत खराब है। ...(व्यवधान) महाराट्र में श्री नारायण जी राणे का मकान जलाया गया है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं एक-एक करके बोलने की इजाजत दूंगा।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Chandrakant Khaire will speak first.

... (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : मैं सभी को बोलने का मौका दूंगा। दासमुंशी जी, मैं आपको बोलने का मौका दूंगा। श्री राम विलास पासवान जी , मैं आपको भी बोलने का मौका दूंगा।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं एक-एक करके सुनूंगा। अभी मैं खैरे जी को सुनना चाहता हूं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Separate notices have been given to me by both Kumari Bhawna Gavli and Shri Mohan Rawale. They will only associate with the Member.

… (*Interruptions*)

श्री मोहन रावले : अध्यक्ष महोदय, उनकी सरकार को बर्खास्त किया जाये। ...(व्यवधान)

12.16 hrs.

श्री चन्द्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराट्र) : अध्यक्ष महोदय, महाराट्र में लॉ एंड आर्डर की सिचुएशन काफी खराब है। हम सोमवार से ही इस प्रश्न को यहां उपस्थित कर रहे हैं लेकिन आज हमें इस पर बोलने का मौका मिला है। हमारा कहना है कि विपक्ष के नेता माननीय श्री नारायण जी राणे का कंटोली में मकान, बंगला, पेट्रोल पम्प, होटल आदि जलाया गया है। वह पूरी की पूरी बिल्डिंग राट्रवादी कांग्रेस और कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं के माध्यम से जला दी गई है।

महाराट्र में शिव सैनिकों ने बालासाहेब ठाकरे के निर्देश के अनुसार बहुत शान्ति एवं संयम रखा। ...(व्यवधान) मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि हम एन.डी.ए. के घटक पक्ष के हैं। महाराट्र में लॉ एंड आर्डर की जो सिचुएशन खराब हुई है, गृह राज्य मंत्री वहां जाएं।...(व्यवधान)

मैं यह नहीं कहता कि राणे जी के मकान पर हमला हुआ लेकिन महाराट्र में किसानों के ऊपर पुलिस ने लाठी चार्ज किया, मुम्बई में मनोरी के पास मछुवारों पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया।...(व्यवधान) महाराट्र में आज तक 59 रॉयट्स हुए हैं और पूरे महाराट्र में लॉ एंड आर्डर की सिचुएशन खराब हो रही है।...(व्यवधान) मैं कहना चाहता हूं कि श्री आडवाणी जी या श्री स्वामी वहां की सिचुएशन का जायजा लेने के लिए जाएं।...(व्यवधान)

SHRI SURESH RAMRAO JADHAV (PARBHANI): Sir, I also associate myself with this.

श्री चन्द्रकांत खैरे : महाराट्र सरकार जो नीति चला रही है, उसे रद्द किया जाए।...(व्यवधान) िवपक्ष के नेता, जो पूर्व मुख्य मंत्री हैं, उनके ऊपर हमला होता है तो सामान्य जनता के साथ क्या होगा।...(व्यवधान) श्री छगन भुजबल ने जो स्टेटमैंट दिया है...(व्यवधान) पूरी महाराट्र सरकार को

बर्खास्त किया जाए।...(व्यवधान) मैंने नोटिस दिया है, आप उसे मंजूर कीजिए। पूरे लॉ एंड आर्डर के बारे में चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह बात सच है कि यह विाय स्टेट गवर्नमैंट का है लेकिन स्टेट गवर्नमैंट का िवाय होने के बावजूद, खेरे जी, मैं आपसे बात कर रहा हूं, मैंने आपको इजाजत दी क्योंकि the house of the Leader of the Opposition was burnt. So, I thought that the matter is of serious nature, therefore, I permitted you to speak. But it must be understood that the Central Government has very little to do in the matter. As regards your request that somebody should be sent to see the position, it is for the Government to decide. Since the hon. Minister of Parliament Affairs is here, if he wants to speak, he can speak on the issue.

अब मोहन रावले जी, आप बोलिए।

...(व्यवधान)

श्री शिवराज सिंह चौहान (विदिशा) : अध्यक्ष महोदय, लोकतंत्र की हत्या की गई है।...(व्यवधान)

श्री मोहन रावले : जो हत्या के बारे में बोल रहे हैं...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हमारे सामने हत्या का विाय नहीं है। जो विाय है, उसके बारे में बोलिए।

श्री मोहन रावले : अध्यक्ष महोदय, मैं वहां के सुपरिन्टैंडैंट ऑफ पुलिस से मिला था। उन्होंने रात बारह बजे सूचना दी कि सब जगह पुलिस का बंदोबस्त करेंगे। उसके बाद सुबह साढ़े चार बजे राणे जी, जो भूतपूर्व मुख्य मंत्री हैं...(व्यवधान) आप लोग यहां इतना हल्ला कर रहे हैं, वहां क्या हुआ, यह जान लीजिए।...(व्यवधान) उनके घर में पत्थर फेंके गए। उनके मैनेजर ने उनको सूचना दी कि यहां पत्थर फेंके जा रहे हैं। सुबह साढ़े दस बजे पुलिस के सामने उनका घर जलाया गया यानी पुलिस भी उसमें शामिल थी।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रावले जी, प्लीज़, आप बैठिए।

...(व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : महाराट्र में लॉ एंड आर्डर की सिचुएशन खराब हो गई है। उसकी यहां चर्चा होनी चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपने चर्चा के बारे में नोटिस दिया है। यदि हाउस ऐग्री करे तो मैं इस विाय में अगले हफ्ते चर्चा दे सकता हूं।

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Let me handle the issue.

श्री मोहन रावले : इससे पहले भूतपूर्व गृह मंत्री के घर पर हमला हुआ था। तो इन्द्रजीत गुप्ता जी वहां चले गये थे। …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये, प्लीज।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : बाबू जगजीवन राम के मामले में क्या हुआ?…(व्यवधान)

श्री मोहन रावले : वहां जो 150-200 लोगों ने हमला किया, उसमें कांग्रेस के लोग भी थे।…(व्यवधान) उनका घर जलाया गया।…(व्यवधान) जिसकी हत्या हुई, उसके खिलाफ कार्रवाई हुई।

MR. SPEAKER: I am thinking of allowing a debate next week on this issue.

SHRI SHIVRAJ V. PATIL (LATUR): I am not objecting to what they have said. I am simply saying that if anything has happened, law will take its own course. If anybody has been murdered, action will be taken against the murderers. If anybody has put anybody else's house on fire, action will be taken against that person also. So, it should not be treated as an issue here. … (*Interruptions*)

श्री चन्द्रकांत खैरे : अभी तक नहीं हुई।…(व्यवधान)

श्री मोहन रावले : एक पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता का घर जलाया जाता है और आप उसे प्रोटैक्ट कर रहे हैं। जिन्होंने घर जलाया है, उन्हें गिरफ्तार करो।…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये। खैरे जी, मैंने कहा है कि अगले हफ्ते सोमवार के बाद मैं चर्चा उ पस्थित करने का कोई रास्ता निकालूंगा। आपके नोटिस पर जरूर निर्णय किया जायेगा। अब आप बैठिये। I am taking up issues one after another. I am taking up your issue also.

श्री मोहन रावले : वस्तुस्थिति को जानने के लिए गृह मंत्री जी को वहां जाना चाहिए।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : जगजीवन बाबू का इश्यू भी मैं लेने वाला हूं।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Pramod Mahajan, would you like to respond?

श्री नरेश पुगलिया (चन्द्रपुर) : राज्य सरकार सरपंच की हत्या की भी जांच कर रही है। शिवसेना ने लाइसेंस लेकर रखा है, मर्डर करने का। महाराट्र में जो मर्डर हो रहे हैं, उसके लिए कौन दोाी हैं? सरपंच का जो मर्डर हुआ है...(व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : कोई मर्डर नहीं हुआ है। मर्डर करने वाले कांग्रेस के लोग हैं।

श्री नरेश पुगलिया : वहां सरपंच का मर्डर करवाया है।...(व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : उसमें दो राट्रवादी कांग्रेस के लोग शामिल हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये। मंत्री जी यहां रैस्पोंड करने के लिए खड़े हुए हैं और आप शोर मचा रहे हैं तो कैसे काम चल सकता है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : मंत्री जी ने हाउस में कहा था कि सदन की भावना का संदेश प्रधान मंत्री को पहुंचाएंगे। आज 29 तारीख है, इस पर संसदीय कार्य मंत्री क्या कर रहे हैं?

अध्यक्ष महोदय : जब विाय आयेगा तो बोलेंगे, अभी सदन के सामने विाय नहीं आया है।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please keep silence and cooperate.

संसदीय कार्य मंत्री तथा संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महाजन) : अध्यक्ष जी, जैसा आपने कहा, बाकी सदस्यों ने कहा और शिवराज जी ने कहा कि अगर किसी की हत्या हुई है तो वह भी निन्दनीय है, उसकी भी जांच होनी चाहिए।...(व्यवधान)

श्री चन्द्रकांत खैरे : हमने तो निन्दा की है, हम उसका समर्थन नहीं कर रहे हैं।

श्री प्रमोद महाजन : लेकिन उसके साथ-साथ किसी व्यक्ति की हत्या हुई, उसकी जांच हो चाहिए। पुलिस उसे देख सकती है और जो भी अपराधी है, उसे दण्डित कर सकती है, लेकिन अगर उस हत्या को निमित्त बनाकर विपक्ष के नेता के घर या उनके व्यवसाय को जलाया गया हो तो इससे निश्चित रूप से कोई सहमत नहीं होगा। हम समझते हैं कि सभी लोग इसका विरोध करेंगे कि यह भी जो हुआ है, वह गलत हुआ है। जैसा आपने कहा कि कानून और व्यवस्था मुख्यतः राज्य का विाय है। केन्द्र सरकार का इसमें सीधे दायित्व नहीं है। माननीय सदस्यों ने यह कहा है कि केन्द्र सरकार की ओर से कोई प्रतिनिधि वहां जाकर देखे, तो मैं गृह मंत्री जी तक उनकी यह मांग पहुंचा दूंगा। वे परम्परा और नियमों के अनुसार फैसला करेंगे।...(व्यवधान)

श्री सत्यव्रत चतुर्वेदी (खजुराहो) : अध्यक्ष महोदय, कोई ऐसी परम्परा न डाली जाए जिससे आगे चलकर मुश्किल पैदा हो।...(व्यवधान)

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : बाबू जगजीवन राम जी के आवास को स्मारक बनाने के लिए जो हमने मांग की थी, उसके बारे में क्या हुआ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं एक के बाद एक को मौका दे रहा हूं।

...(व्यवधान)

श्री प्रमोद महाजन : अगर यहां विपक्ष के नेता के घर हमला हुआ होता, कोई उनके घर में गया होता, तो क्या हमें कोई आपत्ति नहीं होती ?...(व्यवधान)

SHRI PRAVIN RASHTRAPAL (PATAN): I want to raise an important issue. I am not just concerned with an individual in a State. I am raising an issue concerning 25 crores of people belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes.

श्री मोहन रावले : वहां पर विपक्ष के नेता के घर पर हमला हुआ है इसलिए राज्य सरकार को बर्खास्त किया जाए।

अध्यक्ष महोदय : मोहन रावले जी, मैंने इस विाय पर सूचना देने के लिए कहा था, वह दे दी गई है। अब आप बैठ जाएं।

12.25 hrs.